कलामंडलम वैशाख

कथकलि नृत्य

त्रिसूर में 1988 में जन्मे श्री कलामंडलम वैसाख ने केरल कलामंडलम में अपने पिता कलामंडलम राजशेखरन तथा कलामंडलम रवि कुमार से कथकली का प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने अपनी माँ, कलामंडलम शैलजा के मार्गदर्शन में कुटियाट्टम का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। बाद में, उन्होंने केरल कलामंडलम से अपनी परास्नातक की पढ़ाई पूरी की। श्री वैसाख को संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से छात्रवृत्ति तथा कनिष्ठ अध्येयतावृत्ति भी प्राप्त हो चुकी है।

श्री वैसाख ने कई प्रतिष्ठित नृत्य समारोहों में अपनी प्रस्तुतियाँ दी हैं तथा राष्ट्रीय नाट्य समारोह सहित राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संगोष्ठियों का आयोजन भी किया है, जिसमें संगीत नाटक अकादेमी द्वारा आयोजित नृत्य प्रतिभा उत्सव भी शामिल है। आपने नालंदा नृत्य अनुसंधान केंद्र, मुंबई तथा केरल कलामंडलम, चेरुथुरुथि में सेमिनार आयोजित किए हैं। आपने छह साल तक केरल कलामंडलम में कथकलि के शिक्षक के रूप में भी कार्य किया है।

श्री वैसाख को कलकत्ता इंटरनेशनल अवॉर्ड, वल्लथोल एन्डाउमन्ट महाकवि ओ. एन.वी. कुरुप अवॉर्ड, मनकम्पू शिवशंकर पिल्लई अवॉर्ड, कुम्मिनी अवॉर्ड तथा अचुथा वॉरियर अवॉर्ड समेत कई पुरस्करों से सम्मानित किया जा चुका है।

कथकलि नृत्य के क्षेत्र में विशिष्ट प्रतिभा को रेखांकित करते हुए श्री वैसाख को संगीत नाटक अकादेमी द्वारा वर्ष 2018 के लिए संयुक्त रूप से उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।